ईपीआई-कार्पोरेट कार्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए "राजभाषा कार्यान्वयन में सूचना प्रौद्योगिकी" विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारत सरकार, गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा प्राप्त वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार हिंदी को और अधिक बढावा देने के उद्धेश्य से हिंदी कार्यशालाएं आयोजित करने का प्रावधान है। इसी के अंतर्गत ईपीआई, कार्पोरेट कार्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए दिनांक 23 जुलाई, 2026 (वृहस्पतिवार) को 'राजभाषा कार्यान्वयन में सूचना प्रौद्योगिकी' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन अपराह्न 2.30 बजे से 5.00 बजे तक स्कोप काम्प्लैक्स, कोर-3, लोधी रोड स्थित चैथी मंजिल के सम्मेलन कक्ष में किया गया। इस कार्यशाला में सर्वप्रथम अतिथि महोदय माननीय डा. श्याम सुंदर कथूरिया, निदेशक (राजभाषा) विभाग को डा. मनीष शंकरराव गवई, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा स्वागत स्वरुप शाल एवं पुस्तक भेंट की गई, तदोपरांत मंच की शुरुआत डा. अहीर प्रभुनाथ कार्यकारी (राजभाषा) की गई तथा आमंत्रित वक्ता का पूर्णरुप से परिचय दिया गया। कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता ने कार्यशाला में उपस्थित कार्पोरेट कार्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के समस्त प्रतिभागियों का परिचय लिया तथा कार्यशाला का आरंभ किया गया जिसमें आमंत्रित वक्ता ने 'राजभाषा कार्यान्वयन में सूचना प्रौद्योगिकी' को बढ़ावा देने के लिए समस्त प्रतिभागियों का ध्यान एकत्रित किया।

माननीय डा. श्याम सुंदर कथूरियाजी ने कार्यशाला में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों को सूचना प्रौद्योगिकी विषय से संबंधित डाटा मेल, लाल टैक्स पठनीय, यूनिकोड एवं नोन यूनिकोड के बारे में तथा काम्ब्रेज वर्तनी के बारे में विस्तार से बताया। व्याख्यान के दौरान उन्होने हिंदी लिपि एवं कैरेक्टर के बारे में अवगत कराया जिसमें 159 लिपि में 1,44,697 कैरेक्टर से अवगत कराया गया जिसमें देवनागरी लिपि में हिंदी, संस्कृत, मराठी, नेपाली एवं मैथिली आदि भाषाएं उपयोग की जाती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को अवगत कराया कि राष्ट्रपति जी के आदेशानुसार समस्त कर्मचारियों को हिंदी टाइपिंग जानना अनिवार्य है, इस संबंध में उन्होंने बताया कि वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत टाइपिंग के लिए समस्त कर्मचारियों को हिंदी प्रशिक्षण देना अनिवार्य है जिससे इन्सक्रिप्त की-बोर्ड ले आउट पर टाइपिंग कार्य करने में सुविधा हो।

चर्चा के दौरान उन्होंने एमएस आफिस 365 के बारे में तथा विन्डोज 11, riversight.com के बारे में विस्तारपूर्वक बताया तथा प्रतिभागियों को प्रशासनिक शब्दावली उपलब्ध करने के लिए कहा तथा यूनिकोड के अतिरिक्त भारती भाषिनी का प्रयोग करने के लिए कहा जिसमें टाइपिंग, शब्दाश, अनुवाद आदि की सुविधा उपलब्ध है। भारती में बहुभाषी अनुवाद की सुविधा है तथा अनुवादनी में 51 टूल्स होने के साथ समस्त मंत्रालय की भाषा को द्विभाषी करती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि Text+file+website का अनुवाद करने की सुविधा सबसे बेहतर भारती अनुवाद की सुविधा है। माननीय डा. श्याम सुंदर कथूरिया जी ने हिंदी टाइपिंग में आने वाली कठिनाईयों को दूर करने की सुविधा के बारे में अवगत कराया टाइपिंग कार्य करते समय शब्दों के बीच स्पेस देने तथा चिपके हुए शब्दों को नार्मल रुप देने के लिए जेनेरेटिव एआई के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रयोग करने के लिए कर्मचारियों को हिंदी के उपयोग करने की मानसिकता होनी आवश्यक है। इसके लिए हमे स्वयं शुरुआत करनी चाहिए। कार्यशाला में अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढचढ कर भाग लिया।

कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को अतिथि वक्ता माननीय डा. श्याम सुंदर कथूरिया, निदेशक (राजभाषा) द्वारा समस्त प्रतिभागियों को भेंट स्वरुप पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यशाला के अंत में आमंत्रित वक्ता का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डा. अहीर प्रभुनाथ, कार्यकारी (राजभाषा) द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का संपूर्ण समन्वय कार्य श्रीमती तबस्सुम खान, कार्यकारी (राजभाषा) हिंदी प्रतिनिधि (उ.क्षे.का.) द्वारा किया गया ।